Department of Hindi

Minor Course

Semester-I

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	Credit	No. of Lectures/ Practical to be conducted
1	I	OE/GE	HN-MN-125T	भक्ति एवं नीति साहित्य	Theory	2	30

MINOR COURSE (MC–1)– भक्ति एवं नीति साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-MN-125T– भक्ति एवं नीति साहित्य	2	2	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को भक्ति साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को नीति साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना।
3. छात्रों को भक्ति एवं नीति साहित्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
4. छात्रों में काव्य मूल्यांकन की क्षमता विकसित करना।
5. छात्रों में सर्जनात्मक कौशल विकसित करना।
6. छात्रों में भक्ति एवं नीति साहित्य के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।
7. छात्रों को सूरदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
8. छात्रों को रहीम जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
9. छात्रों में आदर्श और मूल्य वृद्धिगत करना।

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

1. छात्र भक्ति साहित्य केस्वरूप से परिचित हो गए।
2. छात्र नीति साहित्य केस्वरूप से परिचित हो गए।
3. छात्रों को भक्ति एवं नीति साहित्य की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त हुई।
4. छात्रों में काव्य मूल्यांकन की क्षमता विकसित हुई।
5. छात्रों में सर्जनात्मक कौशल विकसित हुआ।
6. छात्रों में भक्ति एवं नीति साहित्य के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित हुई।
7. छात्र सूरदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हुए।
8. छात्र रहीम जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हुए।
9. छात्रों में आदर्श और मूल्य वृद्धिगत हुए।

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	सूरदास	भ्रमरगीत सार – संपादक आ.रामचंद्र शुक्ल पद क्रमांक –25, 27, 31, 64, 210 अध्ययनार्थ विषय – 1)सूरदास का जीवन परिचय 2)सूरदासके काव्य में विरह वर्णन 3)सूरदासकी भक्तिभावना 4) सूर की गोपियाँ	15
2	रहीम	रहीम दोहे क्रमांक – 1, 8, 10, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 24 अध्ययनार्थ विषय – 1. रहीम का जीवन परिचय 2. रहीम की भक्तिभावना 3. रहीम के काव्य की प्रासंगिकता 4. रहीम के काव्य में नीति तत्व	15

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1) मध्ययुगीन हिंदी काव्य : सं. हिंदी अध्ययन मंडल, सा. फु. पु. विश्वविद्यालय, पुणे
2) संक्षिप्त सूरसागर : सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन
3) सूरदास और उनका साहित्य : डॉ. मुंशीराम शर्मा
4) सूर की काव्य कला : मनमोहन गौतम
5) सूर साहित्य : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
6) सूरदास : आ. रामचंद्र शुक्ल
7) षटकवि विवेचन : डॉ. दयानंद शर्मा
8) रहीम : आधुनिक संदर्भ – डॉ. भगवानदास एन. कहार
9) रहीम का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. मंजु शर्मा
10) रहीम और उनका काव्य – देशराज सिंह भाटी
11) रहिमन विलास – ब्रजरत्नदास
12) रहीम : आधुनिक संदर्भ – प्रो. नित्यानंद पांडेय